स्वतंत्र चेतना

एम्स में जन्म प्रमाण पत्र सुविधा शुरू

नवजात को अस्पताल से छुट्टी से पहले मिला पहला प्रमाण पत्र

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने नवजात शिशुओं के लिए जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा शुरू कर एक नई पहल की है। शुक्रवार को संस्थान ने अस्पताल में जन्मे शिशु का पहला जन्म प्रमाण पत्र जारी कर इस सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया। अब एम्स में जन्म लेने वाले बच्चों को अस्पताल से छुट्टी से पहले ही जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थान प्रबंधन ने इसे एकीकृत रोगी देखभाल सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे अभिभावकों को सरकारी प्रक्रियाओं में सहूलियत मिलेगी और नवजातों को प्रारंभिक स्तर पर ही उनकी कानूनी पहचान सुनिश्चित हो सकेगी। एम्स की निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर (डॉ.) मीनू सिंह और स्त्री एवं प्रसूति रोग

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) जया चतुर्वेदी ने नवजात की माता सुलोचना को संस्थान का पहला जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस दौरान डीन रिसर्च प्रोफेसर (डॉ.) शैलेन्द्र एस. हांडू, डीन अकादमिक प्रोफेसर (डॉ.) सौरव वार्ष्णेय, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) सत्याश्री बालिजा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि यह पहल उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आवश्यक नागरिक सेवाओं को जोड़ने का प्रयास है, जिससे प्रत्येक बच्चे को समय पर कानूनी पहचान मिल सके। वहीं, बच्चे के पिता विनोद सिंह ने प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बताते हुए संस्थान का आभार जताया। संस्थान ने डॉ. प्रदीप अग्रवाल को प्रथम जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रार नामित किया है। एम्स प्रशासन ने अभिभावकों से समय पर जन्म पंजीकरण कराने की अपील करते हुए कहा कि जन्म प्रमाण पत्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, पहचान पत्र और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

संवाद न्यूज

एम्स में जन्म प्रमाणपत्र की सुविधा शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। अब एम्स में जन्मे बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र के लिए नगर निगम के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। नवजात शिशुओं के परिजनों को एम्स ने जन्म प्रमाणपत्र जारी करने की सुविधा शुरू कर दी है। शुक्रवार को संस्थान ने इस नई पहल के तहत अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले अपना पहला जन्म प्रमाणपत्र जारी किया।

एम्स ऋषिकेश में जन्मे नवजात का पहला जन्म प्रमाणपत्र सुलोचना को संस्थान की निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. मीनू सिंह और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने प्रदान किया। इस अवसर पर डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र एस. हांडू, डीन अकादमिक प्रो. सौरव वर्ष्णेय, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रो. सत्याश्री बालिजा सहित संस्थान के कई अधिकारी मौजूद रहे।

नवजात के परिजनों को जन्म प्रमाणपत्र जारी करतीं प्रो. मीनू सिंह। स्रोत : एम्स

एम्स प्रशासन का कहना है कि यह पहल नवजात शिशुओं को समय पर कानूनी पहचान उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब अभिभावकों को जन्म प्रमाणपत्र के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि अस्पताल से डिस्चार्ज के दौरान ही यह सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

हिन्दुस्तान

एम्स ऋषिकेश में शिशु जन्म प्रमाणपत्र की सुविधा शुरू

अच्छी खबर

संस्थान प्रबंधन ने जारी किया नवजात शिशु का पहला बर्थ सर्टिफिकेट

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश ने संस्थान में जन्मे नवजात के लिए जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा शुरू कर दी है। एम्स ऋषिकेश संस्थान की यह पहल नवजात शिशुओं को समयबद्ध एवं सम्मानजनक तरीके से उनकी कानूनी पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम है।

शुक्रवार को एम्स ऋषिकेश में पहला जन्म प्रमाण पत्र सुलोचना को संस्थान की निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी द्वारा प्रदान किया गया। निदेशक एम्स प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि एम्स में इस सुविधा को शुरू करने से जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को प्रारंभिक स्तर पर ही उसकी कानूनी पहचान प्राप्त हो सकेगी। संस्थान की ओर से डॉ. प्रदीप अग्रवाल को संस्थान के प्रथम जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रार के रूप में नामित किया गया है। बच्चे के पिता विनोद सिंह ने भी इस सरल एवं सुगम प्रक्रिया के लिए संस्थान की सराहना की। इस मौके पर डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र एस हांडू मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

एम्स में जन्म प्रमाण पत्र की सुविधा शुरू

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : एम्स ऋषिकेश ने एम्स अस्पताल में जन्मे नवजात के जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा शुरू कर दी है। शुक्रवार को आधिकारिक रूप से अस्पताल से छुट्टी से पहले संस्थान की ओर से अपना पहला जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया।पहला जन्म प्रमाण पत्र सुलोचना को संस्थान की निदेशक एवं सीईओ प्रो मीनू सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष प्रो. जया चतुर्वेदी ने संस्थान के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यकारी निदेशक एम्स प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि समग्र रोगी देखभाल के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अब हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं, कि एम्स में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को प्रारंभिक स्तर पर ही उसकी कानूनी पहचान प्राप्त हो, जिससे उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाओं और आवश्यक नागरिक सेवाओं के बीच की दूरी कम हो सके। बच्चे के पिता विनोद सिंह ने भी इस सुगम प्रक्रिया के लिए संस्थान की सराहना की। संस्थान की ओर से डा. प्रदीप अग्रवाल को संस्थान के प्रथम जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रार के रूप में नामित किया गया है।